न्यूज डायरी

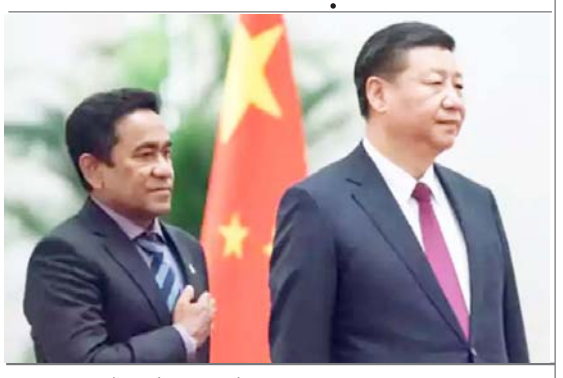

भारत के दोस्त के लिए महासंकट बना चीन के कर्ज का पहाड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) माले। बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट के नाम पर पूरी दुनिया को कर्ज के जाल में फंसा रहा चीन अपने मकसद में सफल होता दिख रहा है। श्रीलंका के बाद अब भारत का एक और पड़ोसी देश एवं अभिन्न्न मित्र मालदीव चीन के कर्ज के पहाड़ तले दबता जा रहा है। मालदीव सरकार के मुताबिक देश पर चीन का 3.1 अरब डॉलर का भारी–भरकम कर्ज है। वह भी तब जब मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था करीब 5 अरब डॉलर की है। कोरोना संकट में अब मालदीव को डिफाल्ट होने का डर सता रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर करती है। कोरोना वायरस संकट की वजह से मालदीव के पर्यटन सेक्टर पर बहुत बुरा असर पड़ा है। मालदीव को टूरिज्म से हर साल करीब दो अरब डॉलर की कमाई होती है लेकिन कोरोना की वजह से इसके एक तिहाई कम होने के आसार हैं। अगर कोरोना वायरस बना रहा तो मालदीव को इस साल 70 करोड़ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ट्रंप के प्रति झुकाव बढ़ा लेकिन 66 प्रतिशत भारतीय अमेरिकी जो बाइडन के साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान चरम पर है। इस बीच वहां रिपब्लिकन पार्टी के कैंडिडेट डॉनल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन के बीच भारतीय अमेरिकी मतदाताओं को रिझाने की होड़ लगी हुई है। अब एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में रह रहे हर तीन में दो (दो तिहाई) भारतीय जो बाइडन को वोट करने का मन बना रहे हैं। इस वोटर सर्वे में यह बात भी खुलकर सामने आ गई है कि किस तरह भारतीय अमेरिकी इस बार के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में आखिरी परिणाम का रुख मोड़ने की क्षमता में हैं। सर्वे करने वाली संस्था इंडियास्पोरा ने AAPI डेटा के साथ जारी संयुक्त रिपोर्ट में कहा कि 66 प्रतिशत भारतीय अमेरिकी बाइडन के समर्थन में हैं जबकि 28 प्रतिशत ट्रंप का साथ दे रहे हैं।

आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने के मामले में चार लोगों पर आरोप तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान में आतंकवाद रोधी एक अदालत ने बुधवार को प्रतिबंधित जमात–उद–दावा (जेयूडी) के शीर्ष चार नेताओं पर आरोप तय किए। इनमें मुंबई हमले के षड्यंत्रकारी हाफिज सईद का एक रिश्तेदार भी शामिल है। इन सभी पर आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने के चार और मामलों में आरोप तय किए गए हैं। सुनवाई के बाद अदालत के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, श्श हाफिज रहमान मक्की (सईद का रिश्तेदार), याहा मुजाहिद (जेयूडी की प्रवक्ता), जफर इकबाल और मोहम्मद अशरफ पर चार और मामलों में आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने के आरोप लगाए गए हैं।श्श संदिग्धों को कड़ी सुरक्षा में कोट लखपत जेल से अदालत लाया गया था। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश एजाज अहमद ने अभियोजन पक्ष को बृहस्पतिवार को अगली सुनवाई में गवाहों को पेश करने का निर्देश दिया है।

उत्तर कोरिया के बच्च्चों में जहर भर रहा तानाशाह किम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। दुनियाभर में जब मासूम बच्चे बेहतर इंसान बनने के सपने देखते हैं, उस समय उत्तर कोरिया में बच्चों को अमेरिका में मिसाइल दागने के गुर सिखाए जा रहे हैं। दरअसल, उत्तर कोरिया ने प्री स्कूलों में मासूम बच्चों में जहर भरने के लिए अपने प्रोपेगैंडा को तीन गुना कर दिया है। यही नहीं नए आदेशों के मुताबिक बच्चे अपनी आधी पढ़ाई के दौरान के केवल किम जोंग उन के बारे में पढ़ेंगे। प्री स्कूलों के नए पाठ्यक्रम में ग्रेटनेस एजुकेशन जोड़ा गया है जिसमें किम जोंग उन और उनके पूर्ववर्ती दो तानाशाहों के पालन–पोषण के बारे में बताया गया है। प्री स्कूलों में तीन घंटे पढ़ाई होगी जिसमें से आधे समय तक केवल किम जोंग उन के बारे में बताया जाएगा। इससे पहले बच्चे आधे घंटे तक ही किम जोंग उन के बारे में पढ़ते थे।

चीन के शक्ति प्रदर्शन से एशिया में जंग का खतरा

चेतावनी

■लद्दाख और ताइवान में चल रहा यह तनाव जंग में तब्दील हो सकता है

लद्दाख में भारत–चीन की इस जंग में अमेरिका भी ले सकता है हिस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन का पूर्वी और दक्षिणी हिस्सा सुलग रहा और एक छोटी सी चिन्गारी युद्ध के आग को भड़का सकती है। इस तनाव के दो केंद्र बिन्दू हैं। पहला–ताइवान और दूसरा भारत। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि लद्दाख और ताइवान में चल रहा यह तनाव जंग में तब्दील हो सकता है जिसमें अमेरिका भी हिस्सा ले सकता है। उनका कहना है कि अमेरिका और चीन दोनों ही परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र हैं, इसलिए सीधे जंग की संभावना कम है लेकिन छोटे स्तर पर सैन्य झड़प हो सकती है।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में चीन के सबसे प्रभावशाली सिंघुआ यूनिवर्सिटी के प्रफेसर यान क्यूटोंग ने कहा कि सीधे जंग और सैन्य झड़प में काफी फर्क होता है। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच विवाद का मुख्य विषय शक्ति के लिए प्रतिस्पर्द्धा है और जैसे–जैसे दोनों देशों के बीच ताकत का फर्क कम होगा और ज्यादा कड़ी प्रतिस्पर्द्धा होगी। अमेरिका के साथ तनाव के बीच चीन अपने पड़ोसी देशों भारत और ताइवान के साथ तनाव क्यों भड़का रहा है, इस सवाल पर विश्लेषकों की राय कुछ हटकर है।

चीन इस समय कई मोर्चों पर खतरा और दबाव महसूस कर रहा: विश्लेषकों का कहना है कि चीन को हॉन्ग कॉन्ग और शिनजियांग क्षेत्र में असुरक्षा की भावना, दुनिया की महाशक्ति बनने की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षा और कोरोना वायरस महामारी से मिला मौका चीन को पड़ोसियों के साथ शक्ति प्रदर्शन को प्रेरित कर रहा है। यही नहीं चीन इस समय कई मोर्चों पर खतरा और दबाव महसूस कर रहा है और शी जिनपिंग अगर सभी मुद्दों का सही ढंग से हल नहीं करते हैं तो उन पर आंतरिक रूप से दबाव बढ़ सकता है। चीन की यह आक्रामकता पीएलए की बढ़ती क्षमता की वजह से और तेज हो गई है।

शी जिनपिंग ने बदली रणनीतिः विश्लेषकों का कहना है कि लगातार रक्षा बजट पर भारी भरकम खर्च करने की वजह से चीन की नौसेना आज दुनिया में सबसे बड़ी हो गई है और बहुत तेजी से नए युद्धपोत शामिल कर रही है। इसके अलावा अमेरिका और पूरे क्षेत्र को निशाना बनाने में सक्षम मिसाइलों का चीन निर्माण कर रहा है। आजादी के बाद से चीन सुर्खियों में न रहकर अपने विकास पर फोकस कर रहा था लेकिन वर्ष 2013 में चीन ने अपनी इस नीति को बदल दिया।

ताइवान को 7 घातक हथियार देने जा रहा है अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ताइपे। चीनी सेना के हमले के मंडराते खतरे के बीच अमेरिका अब ताइवान को अभेद्य किला बनाने में जुट गया है। अमेरिका ताइवान को 7 बेहद घातक हथियार दे रहा है जिसमें क्रूज मिसाइल और ड्रोन विमान शामिल हैं। यही नहीं अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने चीन पर अपना दबाव और ज्यादा बढ़ा दिया है। इससे पहले अमेरिका ने यह नीति बनाई थी कि वह ताइवान को ऐसे हथियार नहीं देगा जिससे चीन नाराज हो जाए। हालांकि हॉन्ग कॉन्ग संकट के बाद अब अमेरिका ने अपनी नीति को बदल दिया है।

साल 2020 में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ताइवान को लेकर बेहद आक्रामक रुख अख्तियार कर रहा है और इन हथियारों की बिक्री से चीन के साथ उसके संबंध बेहद निचले स्तर तक पहुंच जाएंगे। वह भी तब जब दोनों ही देश एक–दूसरे पर जासूसी करने, ट्रेड वॉर और कोरोना वायरस को लेकर कई आरोप लगा चुके हैं। ताइवान में इस साल जनवरी में राष्ट्रपति त्साई इंगवेन के दोबारा सत्ता में आने के बाद ताइपे ने हथियारों की खरीद को बढ़ा दिया है।

राष्ट्रपति वेन ने ताइवान की सुरक्षा को और ज्यादा मजबूत करने को शीर्ष प्राथमिकता दिया है। ताइवान चीन का सबसे संवेदनशील क्षेत्रीय मुद्दा है।

समुद्री भेड़िये से पैदा हो रहा इंसानों के खाने का संकट?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) आर्कटिक। जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्रों का जलस्तर बढ़ने से सिर्फ शहरों में बाढ़ आने का खतरा नहीं होता है। ईकोसिस्टम में होने वाले हर बदलाव का असर जीव–जंतुओं और इंसानों पर भी पड़ता है। इसका ताजा और खतरनाक उदाहरण अमेरिका में अलास्का के पास आर्कटिक महासागर में दिखाई दे रहा है। यहां पाई जाने वाली किलर वेल्स ने बोहेड वेल्स का शिकार बढ़ा दिया है। इसके पीछे एक बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। समुद्र का भेड़ियाश्कही जाने वाली किलर वेल्स के बढ़ते खतरे के कारण पहले से विलुप्तप्राय बोहेड वेल्स के अस्तित्व पर तो खतरा हो ही गया है, अलास्का में रहने वाले लोगों के खान–पान पर भी असर पड़ने लगा है। हालांकि, किलर वेल्स जितना शिकार करती हैं, उसका स्तर इतना नहीं है कि खाद्य संकट पैदा हो जाए।

नेपाल के पीएम ने कड़वाहट भूल पीएम नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को उनके 70वें जन्मदिन की गुरुवार को बधाई दी और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में करीब से मिलकर काम करते रहने का संकल्प जताया। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को 70 साल के हो गए। उनका जन्म 17 सितंबर 1950 को हुआ था।

ओली ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आपको जन्मदिन के शुभ मौके पर हार्दिक बधाई। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं। हम दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए करीब से मिलकर काम करना जारी रखेंगे। ओली ने मोदी से भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को फोन पर बातचीत की थी।

मई में नेपाल के नए राजनीतिक नक्शे के जारी करने के बाद दोनों मुल्कों के रिश्तों में आए तनाव के पश्चात यह पहली उच्च स्तरीय वार्ता थी। दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट तब आ गई थी जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को लिपुलेख पास को उत्तराखंड के धारचुला से जोड़ने वाली रणनीतिक रूप से अहम 80 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया था। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया कि यह सड़क उसके क्षेत्र से होकर गुजरेगी।

इसके कुछ दिन बाद नेपाल ने अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को अपना क्षेत्र बताया। हालांकि, भारत ने नेपाल के इस दावे को खारिज किया।

विदेशी हस्तक्षेप से बड़ा खतरा डाक मतपत्रः ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में कथित विदेशी हस्तक्षेप से बड़ा खतरा डाक मतपत्र हैं, क्योंकि इनसे बड़े स्तर पर चुनावी धांधली की आशंका है। तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले राज्यों के गवर्नर लोगों को मतदान केंद्र जाने के बजाए डाक मतपत्र के जरिए मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ट्रंप की दलील है कि ऐसे कदम से चुनावी धांधली हो सकती है,क्योंकि इसमें कोई किसी और के बदले भी वोट डाल सकता है। हजारों मत पत्र गायब हो सकते हैं। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी का कहना है कि यह स्थापित चलन है और कोरोना वायरस के मद्देनजर डाक मतपत्र से मतदान के विकल्प को चुनने की जरूरत है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, ष्इस चुनाव में हमारा सबसे बड़ा खतरा विपक्षी पार्टी के गवर्नर हैं जो मत पत्रों को नियंत्रित कर रहे हैं। मेरे लिए अन्य देशों से बड़ा खतरा यह है, क्योंकि अन्य देशों के बारे में जो चीजें आ रही हैं वह झूठी निकल रही हैं।